जसमल ओडण

ओडां रा डेरा रा डेरा गुजरात साम्हा खड़्या जाय रिया है।माळवा, मेवाड़ मारवाड़ सूं ओडां गुजरात में राव खंगार बुलाया।राव खंगार एक मोटो तळाव खुदावा रो मनसूबो कीधो, अस्यो मोटो तळाव जो राव रा नाम ने अमर करदे।

देस देस रा ओडां ने घणी खातरी रा कागद दे'र बुलाया। ओड ओडणियां आप आप रा परवार सूधी, कोड सूं भरय्या गुजरात रो गैलो पकड़य्यो। रासबा पै आंपणों असबाब लादय्यां, रात पड़य्यां तो रूंख रे तळै सोय जावै, दिन में वातां करता, रासबा घेरता, तळाव रा सतूना बांधता मारग चालता जाय रिया।

माळवा सूं ओडां रा डेरा गुजरात चाल्या। रासबां रा गळां में मोरपांखां में पोयोड़ा घूघरा झमझम बाजता जाय रिया। ओडणियां रासबा माथै बैठी गीत गावती गैलो काट री, कीरी कांख में छोरा छोरी रोय रिया, कोई कुदाळी फावड़ा ने सूधा सामती जाय री। राजी राजी हंसती बोलती गुजरात पूगवा ने आगती गैलै चाल री।

"अस्यो मोटो तळाव खुद रियो है के दो बरसां तांई तो गुजरात सूं हालवा रो नाम ही नीं लेणो पड़ै।"

"दो बरसां तांई? अतरा दिन माळवा सूं बारै गुजरात में रैणो पड़ैला? ये तो घणा दिन व्है।" जसमल ओडणी केरी री फांक जसी आंख्यां में भोळप भरय्यां पूछय्यो।

"थू गैली है, वीनणी। गुजरात कांई अर माळवो कांई? आपांरे मजूरी सू काम, जठै मजूरी मिल जावै जो ही आपणों देस।" रासबा रे टचकारी मारती एक अधकड़ सी ओडण बोली।

जसमल पाछी बोली तो नीं पण जाणै क्यूं वींरो काळजो अणजांण्या भै सूं कांपय्यो।

जसमल ही तो तळावा री माटी खोदण वाळी ओडणी। बाळपणा सूं कांई पीढय्या सूं माटी खोदणै रो काम करता आय रिया। पण वीने देख्यां कुण कै या ओडणी? रूप रा कचन में सीळ री सुगंध ही। हिरणी जसी भोळी आंख्यां में सीळ रो सुरमो और ही रूप ने वधाय दीधो। ओडां रा फाटय्याड़ा तंबूड़ा में वा बोलती तो लागतो जांणै वन में कोई वीण रा तार हिलाय गियो।

तड़कता तावडा में माटी खोदती, खोदती रे मूंडा पै पसीनो यू लागतो जांणै कंवळ री पांखड़्यां पै पड़ी पाणी री बूंदां।

तळाव रो काम चाल रियो अर घणां जोर सू चाल रियो। राव खंगार ने घणी हूंस तळाव त्यार करावा री। ओडां रा डेरा रा डेरा रोज नवा नवा आवै। तळाव रे

कनें ही आप रा तंबूड़ा तांण दीधा, सारो दिन ओड खोदै, ओडणियां रासबा भर भर ढोवै, टाबरिया पाळ बांधै, कामैती बैठय्या हाजरी मांडै, राजाजी दिन में दो दांण आव, मन में आगत, कद यो तळाव पूरो व्है।

जसमल ही दूजा ओड ओडणियां रे लारै तळाव पै माटी खोदै, हेला न्हांके। चांदी री घूघरियां लागी, ओढणी रा पल्ला सूं मूंडा रो पसीनो पूंछती तो घूघरियां रा छणकां लारै देखवा वाळा रा मन रा घूघरा वाज जाता। दोई हाथां में फावड़ो पकड़ माटी खणती तो दूरां सूं लागतो, वायरा सूं चंपा री डाळ झोला खाय री है। रासबा सूं माटी री भरय्योड़ी गुणती उठायनै न्हांकती जद वींरी कमर वेंत री कामड़ी ज्यूं लुळ जावती।

ऊनाळा में वैसाख रो मींनो, दिन ढळ रियो, सांझ पड़वा आई। मजूरां छुट्टी कीधी, दिन भर रा थाक्या ओड ओडणियां आपरा रासबा संभाळय्या, टाबर कुदाळ फावड़ा कांधा पै मेल्यां डेरा कानी चाल्या, ओडणियां चूल्हा सलगावा लागी, कोई माथै घड़ा मेल्यां पाणी लावा ने चाली।

सांझ रो वगत, सूरज भगवान अस्ताचळ रो गैलो पकड़य्यो, तपी धरती निसासा छोड़ती ठंडी पड़वा लागी, पंछियां रा जोड़ा चांचां में चुगो भरय्या घुंसळा साम्हा उड़य्या, घुंसाळां में बच्चा मूंडो काढय्यां चुगा री वाट देख रिया। आथमणी दिसा री मंगरी डूबता सूरज री किरणां सूं पीळी पीळी व्हेयरी, वींरे नीचै भरी तळाई में सारस रो जोड़ो चांचां सूं पाणो उळीच रियो। लाल मखमल रो जीण कस्योड़ो, अबलक घोड़े सवार राव खंगार हाथ में सोना री मूंठ री तरवार लीधां, दिन में तळाव पै हुयोड़ा काम ने देखतो देखतो वठी ने निकळय्यो।

जसमल माथा पै घड़ो मेल्यां पाणी लेवा ने आई, घड़ो पाळ पै मेल धूळा सूं भरय्यो मूंडो धोय री।

राव खंगार री द्रस्टि मूंडो धोवती जसमल पै पड़ी, द्रस्टि ही जठै री जठै अटकगी, हाथ री लगाम ढीली पड़गी, घोड़ा री चाल रुकगी, खंगार तो चित्राम व्है ज्यूं ऊभो रैग्यो, नीं हालणी आयो नीं चालणी आयो। माटी सूं लथपथ व्हीया पगां ने जसमल पाणी में घाल मसळय्या, भाटा पै एडी रगड़ी, लाल लाल एडी री झांई सूं पाणी गुलाबी गुलाबी व्हेग्यो। राव खंगार रो काळजो हालग्यो।

जसमल आपरे सहज भाव सूं पग धोया, मूंडो धोयो, कुरळा करय्या, घड़ो भरय्यो। राव वींरा रूप ने एकधार आंख्यां सूं पी रियो। जसमल अणजाण, भोळी, पवित्तर। राजा सोच रियो यो रूप! यो योवन!! अर यो भोळापणो!!! कठै ही देख्यो नीं, कदे ही सूण्यो नी। सारो रावळो गुललंजा सूं भर राख्या है पण ई रूप री तो छाया ही नजर नी आवै।

Scanned by CamScanner

ये माटी मू लथपथ व्हीयोड़ी एडियां ही असी लाल है तो रणवास रा दलीचा माथै
ये पग फिरै तो कजाणा कांई व्है? ई ओडण रा पान खायां बिनां ही होठ अस्या लाल
बूंद है तो तबोळ चबायां तो यां होठां रा रंग ने माणक ही कोनीं पूगै।

तावड़ा में तपी लगी व्हेवा सूं ही ई री लाल पड़ी आंख्यां में अतरो उनमाद है तो
आसा रो पियालो पाया नैणा में ललाई आवैला जद तो कांइ गजब व्हेला।

मोटी रेजा री ओढ़णी में ही ईरो अंग यूं लागै जांणै कंवळ रो फूल झोला लेय
रियो है तो जद या सोळा सिणगार कर राजसी मसनद पै बैठैला तो अपछरां ही लजाय
जावैला। यो रतन झूपड़्यां में रैवानै थोड़ो ही विधाता सिरज्यो है, रतन तो राज
मे'ला रा सिणगार व्है।

पवित्तर आतमा जसमल, माथै घड़ो राख'र चाली, काम सूं बिंध्योड़ो राव खंगार
ही वींरे लारै लारै घोड़ो छोड़ दीधो। जसमल रा छोटा छोटा पग धूळा में मंडता जावै,
वींरी कंकु वरणी एड़ी ने निरखतो लारै लारै खंगार चाल्यो। थोड़ी सी जसमल चाली।
राव खंगार सूं रियो नीं गियो, आडो घोड़ो ऊभो करनै बोल्यो,

राजाजी बुलावै जसमल ओडणी ए,
जसमल! मे'ल जोवण आव।
केसर वरणी कामणी ए,
थां पर रीझ्यो, राव खंगार।।

जसमल चमकी, राजा? कांपगी केळ रा रूंख ज्यूं। संभळ'र हाथ जोड़्यां बोली,

कांई तो जोवूं थारा मे'ल ने ओ,
भूल्या राजा, म्हांने म्हारी सरक्यां रो कोड।

राव खंगार बोल्यो, "म्हारा मे'ल देखवा नीं तो कुंवरां ने देखवा ने तो आ कर
ही।"

कांई जोवूं थांरा कुंवरा ने ओ,
भोळा भूपत म्हाने म्हारे ओडां रा कोड।

जसमल यूं जवाब देतां ही आगै चाली। रावजी झट पाछो जसमल रो गैलो
रोक्यो,

राजाजी बुलावै ओ जसमली ओडणी,
ए जसमल! राणियां जोवण आव।
आछी म्हाने लागै ओडणी ए,
जसमल थां पर रीझ्यो राव खंगार।।

जसमल ने रीस आई, वीं ऊपड़तां ही जबाब दीधो, "परजा ने बिगाडू राजा!
थांरी राणियां ने म्हूं कांई देखूं?"

कांई जोवूं थांरी राणियां ने ओ,
भोळा राजा, म्हाने म्हारी ओडणिया रो कोड।
रैत बिगाडू रावजी ओ,
भोळा राजा! भूल्यो भूल्यो राव खंगार।।

राव खंगार फेरूं नीं मान्यो, वींज ढंग री बात सुरू कीधी, जसमल घोड़ला जोवण
घर आव

काजळ रेखी ओडणी ए
जसमल थां पर रीझ्यो राव खंगार।

जसमल रीस सूं राती पड़गी। वींरा पतळा पतला होठ धूजवा लाग्या, "रावजी,
थांरा घोड़ा थांरे घरै राखो, म्हारा गधेड़ा सूं ही म्हूं राजी हूं। गुणहीणां राजा, थूं भूल
रियो है, म्हेने समझी कांई है?"

यूं केती जसमल रावजी रा घोड़ा ने टल्लो देती आगै निकळगी। रावजी जाण्यो
यूं या वातां में नीं आवै। ई ने लाळच देणों चावै। लारै लारै घोड़ा पै चाल्या, गैला
में वीने केता जावै,

बसवा ने देस्यां हो जसमल धोरियो ए,
जसमल! खिणवा ने देस्या तळाव।
आभै केरी वीजळी ए, जलमल!
थां पर रीझ्यो राव खगार।।

जीमवाने देस्या जसमल बंजरी ओ,
जसमल! दूवा ने देस्यां धोळी गाय।
सावण सुरंगी तीजणी ए जसमल,
थां पर रीझ्यो राव खंगार।।

ओड खोदे ओडणी ढोवै ए,
जसमल! झूलरिया तो बांधै पाळ।
सदा ओ सुरंगी ए जसमल,
थां पर रीझ्यो राव खगार।।

जीं दिन सूं राव खंगार जसमल ने देखी वीं दिन सू ही घायल मिरग री नाई
घूमै। मे'ला ने छोड़ दीधा, नवा खुदता तळाव री पाळ पै आप रा ही डेरा तणाय

Scanned by CamScanner

दीधा, कोई काम न काज, ओड ओडणी खोदै, जठै बैठय्यो रेवै। जसमल रा मोटय्यार देवर जेठ खादै, जसमल वींरी देराणी गधा भर भर माटी लायनै गेरै। पसीनों टपकतो जावै, जसमल फावड़ा सूं माटी खोदै। राजा देखै अर अचंभो करै, या अतरी मेनत कर री है। म्हारा दियोड़ा लाळच साम्हीं नीं झांक री है। राजा घणी कोसीस कीधी पण जसमल तो राजा साम्ही नीं झाँकी जो नींज झांकी।

राव खंगार भूलग्यो वो राजा है, जसमल वींरा आसरा में आयोड़ी परजा है। एक तो यूं ही राजमद ऊपर सूं काम रो मारय्योड़ो। राजा ने चेतो नीं रियो के वो कर कांई रियो है?

धन जोबन अर ठाकरी, तां पर अविवेक।
ये चारूं भेळा हुवै, अनरथ करै अनेक।।

तळाव री पाळ पै बैठय्यो रैणो, जसमल सूं कांई न कांई मिस बात करणी वींने तो।

जसमल माटी री ढोकरी उठाय ज्यूं ही पाळ माथ न्हांकी, खंगार बोल्यो,

थोड़ी थोड़ी ढोवो जसमल! ढोकरी ए।
जसमल! पतळी कमर बळ खाय।।

सुणता ही जलमल रे लाय लागी। वा पग पटकती पाछी फिरी, रीस री झाळ सूं हियो सुळग गियो, आख्यां में पाणी भरग्यो पण कैवै कीने? राजा ही यूं करण लाग्यो जद। रीस तो वींने असी आई के मार दे कै मर जावै। जसमल मरोड़ो खायनै जी वगत तो निकळगी पण जाती कठै? पाछो आणो तो तळाव री पाळ पै ही पड़तो।

माटी खोदता ओडां ने कह्यो, "चालो आपां अठा सूं चल्या चालां दूजा देस में जाय मजूरी करा।"

"हो, हो" करने सारा ओड हसवा लागग्या,

"गैलो री वात सुणो। लागी मजूरी छोड़'र दूजी जगां चल्या चालां। राजा कतरो सूख आपां ने देय राख्यो है।"

जसमल जाणै सुख देवा रो कारण कांई है।

वा डरपती पाळ पै जावै, काम करै, पण वींरी छाती धड़ धड़ करती रैवै। राव रे रणवास में जायनै रैवा सूं तो आखो दिन मेनत मजूरी करनै पेट भरणो ही चोखो। सीळ ने गंवायनै मे'ला रा सुखा माथै धूळो पड़य्यो, आंपणी झूंपड़ी भली। जसमल ने खगार घणी घणीं भोळाई पण वा सत सूं नीं डिगी। जसमल पाळ पै रासबा खाली कर री, खंगार लेर काकरो मारय्यो।

राजाजी बैठा है पाळ तळाव री,
जसमल! चुग चुग कांकरड़ी सी बाय।
मिरगानैणी मरवण ए जसमल,
थां पर रीझ्यो राव खंगार।।

कांकरी री लागतां ही जसमल रे झाळ ऊठी, पाछी फिरतां ही बोली,

मत नां बावो राजाजी कांकरी ओ,
सामी राजा, देखै म्हारा देवर जेठ।
अकल अलूणां राजवी ओ हरामी राजा,
भूल्यो भूल्यो राव खंगार।।

"थें म्हारा धणी हो, धणी व्हे परजा री इज्जत लेवो। थांने लाज नीं आवै। हरामी राजा! अकल राखो।" जसमल रीस सूं कांप री, छाती सास सूं ऊची नीची व्हेय री।

राव खंगार वीं सती री आतमा री आवाज नीं समज्यो, वो तो वीं रूप पै और हो रीझग्यो। वींरा सीळ ने नीं कूत सक्यो। वो सझ्मयो या देवर जेठा सूं डरपै। हंसते लगै पूछय्यो,

किसड़ै उणियारै थारो घर धणी ए,
जसमल! किसड़ै उणियारे देवर जेठ।
तनक मिजाजण मोवणीं ओ जसमल,
थां पर रीझ्यो राव खंगार।

जसमल आंगळी उठाय माटी खणता सांवळा रंग रा मोटय्यार ने, लाल दुमालो बांध्यां देवर जेठां ने बताया।

राजा वांरे साम्ही झांक मुळकयो। जसमल आडी ने पांवडो भरतो बोल्यो, "बस या सूं ही थूं डर री ही?"

कैवै तो मरा दूं थारो घर धणी ए,
जसमल! कैवै तो मरा दूं देवर जेठ।
ऊजळदंती ओडणी ए जसमल,
थां पर रीझ्यो राव खंगार।।

राव खंगार हाथ पकड़वा लाग्यो, जसमल बीजळी री नांई तड़पगी।

"खबरदार, जो म्हारे हाथ लगायो। पापी! हट जा अठा सू।"

खंगार आपा में नीं रियो। ई ओडणी री या हिम्मत! एक मजूरणी अर म्हने गाळ दे! ईरी ओकात कांई?

Scanned by CamScanner

"मान जा जसमल, अबै ही मान जा, ज्यूं थारो मन राख रियो हूं ज्यूं थूं माथै चढ़ती जाय री है। म्हूं जबरदस्ती थंने रावळा में ले जायनै बैठाय दूं ला, थूं कर कांई लै वैला?"

कैवतो कैवतो खंगार, जसमल रो हाथ पकड़्यो। जसमल तो एक हाथ सूं दीधौ राव खंगार ने धक्को। भूखी सिंघणी री नांई विकराळ व्हीया हाथ में फावड़ो ले राजा रे साम्ही तण'र ऊभी व्हेगी।

"माथो फोड़नै मार अर मर जावूंला, जो एक पांवडो आगै दीधो।" सती रो तेज सूरज रा तेज सूं ही घणों व्है।

"अबै ही समझ जा जसमल! अब ही समझ जा, हाल मोडो'नीं व्हीयो।" कैवतो कैवतो राव खगार पाछो फिरग्यो।

दिन उगता ही राव खंगार जसमल रा तंबूड़ा साम्हों झांक्यो। वठै तो सून पड़ी, माळवा सूं आयोड़ा ओडां रो एक ही डेरो नीं। डेरां में चूल्हां री राख पड़ी। गधेड़ां री लीद रा ढुगला रैग्या, ओड जायो एक नीं। डेरा पे कागला पड़ रिया अर कुत्ता भुस रिया।

ओडण लदी समी सांझ री ओ,
कामी राजा! ओड लदिया ढळती रात।

जसमल रे साथै राजा रो यो बरताव देख ओड सारा ही उचाळो घाल आधी रात रा लदग्या। जसमल कोसां पार व्ही। यो हाल देख्यो तो राव खंगार घणों पछतायो। घणों दुखी व्हीयो।

इसड़ी जाणूं तो जसमल ओडणी ए,
जसमल! डेरा थारा देतो लुटाय।

"गजब व्हेगी। असी जाणतो तो यां ओडां रा डेरा लुटाय देतो, यांने मराय देतो, जसमल ने खोस लेतो। जसमल हाथां बारै परी गी।"

"म्हूं गुजरात रो पराकरमी राजा, म्हने एक ओडणी ठोकर मार ओड रे लारै चलती व्ही।" जसमल, जसमल" करतो राव उठ्यो,

घोड़ा दोड़ाया राव खंगार ओडां रे पाछै रा पाछै।

"मार दो ओडां ने मुकाबलो करै तो। पकड़ लावो जसमल ने। राजी करो, जबरदस्ती करो, पण जसमल आवणी चावै।"

खगार रां घुड़ सवार दोड़्या। ओड पाछै फिर फिरनै देखता जावै, चाल्या जावै। पाछै देखै तो घोड़ा री खेह उड़ती दीखी।

"मारय्या, खंगार री फोज आयगी। आपां ने मारैला, जसमल ने ले जावैला।" जसमल कांपगी, खंगार म्हंने बंधाय ले जावैला। सीळ बिना जीवणों कस्यो? ई तो मर जावणो ही भलो। जसमल ओडां रे हाथ जोड़्या "म्हारी बेइज्जती मत राओ, चिता चुण दो, म्हूं जीवती बळ जावूं पण वीं राजा रे रावळा में नी जावूं।" रे मोट्यार रोवतै रोवतै लकड़्यां भेळी कर दीधी।

जसमल अगनी में बैठगी।

राव खंगार आयो, देखे तो जसमल जळ री "जसमल, जसमल! पकड़ो,! चिता सूं काढ़ो, काढ़ो।"

चिता में सूं जसमल बोली, "जसमल री राख चावै तो लेजा।" चिता री झाळा जसमल छिपगी। खंगार देखतो रैग्यो।

जसमल, सतियां री सिरताज, जसमल सीळ रौ मोल चुकायगी।

Scanned by CamScanner